वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष : 2 | अंक : 183 | शनिवार 29 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में बढ़ी ठंड

राजस्थान के 6 जिलों में कड़ाके की ठंड का अलर्ट

चार दिन बाद कोहरा-सर्द हवाओं की चेतावनी; अचानक बढ़ा न्यूनतम तापमान

जयपुर. कासं

राजस्थान में 4 दिन बाद फिर से सर्दी पड़ने वाली है। इसका असर 6 जिलों में दिखेगा। क्योंकि उत्तरी भारत के हिस्सों में 2 बैक टू बैक वेस्टर्न डिस्टरबेंस आ रहे हैं, जिससे कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल में बारिश के साथ भारी बर्फबारी होने का अनुमान है। इससे राजस्थान में कोहरा छाया रहेगा। इस डिस्टर्बेंस का असर 6 जिलों में सबसे अधिक दिखेगा। वहीं, राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से बढ़ रही सर्दी पर अभी ब्रेक लगा है। दो दिन से उत्तरी हवाओं का प्रभाव कम होने से राज्य के कई शहरों में तापमान गिरने के बजाए बढ़ने लगा है। दो दिन में सीकर न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया। इससे वहां सर्दी का असर कम हो गया। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो सर्दी का असर 4 नवंबर से बढ़ने लगेगा। प्रदेश में आज मौसम की स्थिति देखें तो सबसे कम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस चित्तौड़गढ़ का रहा। इसके अलावा सीकर में भी आज तापमान बढ़कर 14.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इधर जयपुर, जैसलमेर, टोंक, बूंदी और सिरोही में रात का न्यूनतम तापमान बढ़कर 20 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा तापमान

सीकर में 26 अक्टूबर को न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस था, जो दो दिन में 4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 14.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसी तरह उदयपुर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ में भी तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। इससे इन जिलों में रात में एक बार फिर हल्की गुलाबी सर्दी का अहसास होने लग गया है।

उत्तरी राजस्थान में बढ़ेगी सर्दी

जयपुर मौसम केन्द्र के विशेषज्ञों के मुताबिक वर्तमान में राज्य के सभी भागों में अगले 3-4 दिन मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान तापमान में भी विशेष उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलेगा। लेकिन 1 नवंबर से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख एरिया में 2 बैक टू बैक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आ रहे हैं। इससे इन एरिया में बारिश-

बर्फबारी होगी। इस वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में रहेगा। इसके बाद सर्द हवाएं मैदानी इलाकों में आनी शुरू होगी, जिससे राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, सीकर, चूरू, अलवर बेल्ट में तापमान गिरेगा और कोहरा देखने को मिलेगा।

राज्यपाल कलराज मिश्र जोधपुर पहुंचे

राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

जयपुर. कासं। राज्यपाल कलराज मिश्र दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को जोधपुर पहुंचे। जोधपुर एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मिश्र के जोधपुर आगमन पर संभागीय आयुक्त कैलाशचंद मीना, जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता एवं पुलिस आयुक्त रवि दत्त गौड सहित अधिकारियों ने उनकी भावपूर्ण अगवानी की। राज्यपाल मिश्र निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी ऑडिटोरियम में आयोजित-पश्चिम क्षेत्र के पहले क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लेंगे।

दर्शनोदय कमेटी ने मुनिश्री को किए श्री फल भेंट

थूवोनजी पधारने का निवेदन लेकर पहुंचें भक्त। मंत्र तंत्र दिये नहीं जाते साधे जातें हैं : मुनि पुंगव श्रीसुधासागर महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मंत्र तंत्र दिये नहीं जाते साधे जातें हैं । मंत्र तंत्र आज भी है कल भी थे और रहेंगे लेकिन कोई कहें कि यूं यूं किया और मंत्र तंत्र आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। आप अपने श्रद्धान को मजबूत रखें आपका श्रद्धान कमजोर होने के कारण आपको डर लगने लगता श्रद्धा दृढ़ रखें मंत्रों की साधना आज भी साधक करते हैं । ये सब स्वयं के लिए कार्यकारी होते हैं ऐसी बात नहीं है तंत्र विद्या भी तंत्र विद्या का उपयोग हर समय कोई नहीं कर सकता । आज तंत्र विद्या को सही जानने वाले कम है। फिर आपकी पहचान तो डायरेक्ट भगवान से है तो इन चक्करों में क्यों पड़ना बेटा चाहें कि अगले जन्म में मुझे ये ही मां मिलें तो वो भावना कर सकता है लेकिन मां कहें कि अगले जन्म में मुझे ऐसा ही बेटा मिलें ये सब अंनतो वार मिला है ऐसे भाव क्यों करें बेटा ऐसे भाव तो करें क्योंकि कि वह मां के उपकार स्नेह और मां ने उसके लिए किया इस कारण भाव आता है उक्त आश्रय के उद्वार मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने ललितपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए । थूवोनजी पधारने का कमेटी ने किया निवेदन दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने ललितपुर से लौटकर बताया कि क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, महामंत्री विपिन सिंघाई के नेतृत्व में दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने मुनिश्री के श्री चरणों में श्री फल भेंट कर थूवोनजी पधारने का निवेदन किया । प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि गुरुदेव चातुर्मास पुर्ण हो गया है थूवोनजी की दूरी मात्र साठ किलोमीटर है कमेटी वर्षो से श्री चरणों में पहुंच रही है आचार्य श्री का आशीर्वाद भी दो बार चातुर्मास के लिए अलग से मिल गया परन्तु दूरी हमारे बीच बाधक बन गई अब हमें सेवा का मौका मिले यही आश हम सब मन में संजोए हैं । कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू , महामंत्री विपिन सिघई ने जानकारी दी । इस दौरान कमेटी के उपाध्यक्ष राकेश अमरोद, मंत्री विनोद मोदी, राजेन्द्र हलवाई, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, आडीटर राजीव चन्देरी , परम संरक्षण विवेक अमरोद, अक्षय जैन सी ए, संरक्षण डब्बू जैन, भाजपा उपाध्यक्ष अंकित पायल घर, रवि पांड्या, रिषभ सोगानी, सुधीर आयरन, अभय वाझल, सिद्धांथ सोगानी, दिलिप वेलई, वकील संजीव जैन शान्तिनगर, आकाश जैन सहित अन्य भक्तों ने श्री फल कर निवेदन किया।

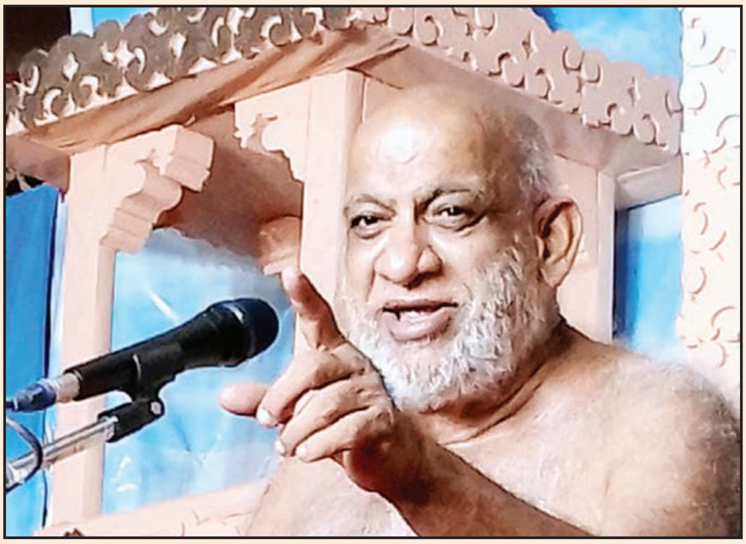

विज्ञान के साइड इफेक्ट्स की ओर ध्यान देना होगा

मुनिश्री ने कहा कि विज्ञान की उन्नति को सब जानते हैं लाभ भी दिख रहा है लेकिन जो कार्य विज्ञान कर रहा है उसके साइड इफेक्ट्स कितने हैं किसी को पता ही नहीं है। चिकित्सा क्षेत्र को ले तो आर्यवेदिक का असर धीमें होता है आज सब को तुरंत परिणाम चाहिए आर्यवेदिक विश्वास पैदा नहीं कर पा रहा है। आज के युग के साथ दौड़ना पड़ेगा हर साल दस पांच मेडिकल कॉलेज खुलते है उनमें आर्यवेदिक नहीं होता। सरकार का यदि संरक्षण मिलें तो ये आगे बढ़ सकती हैं।

अच्छे आदमी का सम्मान करना सीखें

हम लोग यदि किसी को सुधारने के लिए बाप के विरोध मे बेटा आ जायेगा सुधरने वाला नहीं जिंदगी मे व्यक्ति को किसी को सुधारने की कोशिश नहीं करनी चाहिये क्योंकि बुरा आदमी यदि आपके विरोध में चला जायेगा वह आपको बर्बाद भी कर देगा बुरे आदमी को कभी टोकना नहीं उसके सामन अनजाने बने रहो नहीं तो यह आपकी जिंदगी समाप्त कर देगा बुराई नहीं करना अच्छे आदमी की बुराई नहीं करना अच्छा नहीं बन पा रहे हैं कोई बात नहीं लेकिन अच्छे आदमी का सम्मान करना उसकी लिए अच्छा आदमी कहना मोन मत रहना बुराई भी मत करना जिन्होंने अच्छाएया देखी नहीं, सुनी नहीं चारो तरफ का वातावरण ऐसा है कि उनको अच्छाइया लगी नहीं, बुराईया पर ही उनकी नजर रहेगी दुर्गंधी सी सिर दर्द खत्म होता है सुगंधी सी सिर दर्द होता है ऐसे लोगों को बुराइया ही पसंद हैं, अच्छाइया पसंद नहीं।

लेकसिटी की चार्मी सेन को फिनलैंड में मिला 'मेंडल ऑफ एक्सीलेंस मडेलियन'

हेयरड्रेसिंग वर्ल्ड स्किल अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 20 देशों के प्रतिभागियों के बीच रखा तिरंगे का मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

हेलसिंकी फिनलैंड में गत 20 से 23 अक्टूबर को संपन्न हेयर ड्रेसिंग अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 21 वर्ष उम्र कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीत कर झीलों की नगरी उदयपुर की युवा हेयर स्टाइलिस्ट चार्मी सेन ने दुनिया भर के 20 देशों के प्रतिभागियों के बीच देश का गौरव बढ़ाया है। इस बड़ी उपलब्धि को मीडिया सहित आमजन से शुक्रवार को साझा करते हुए अशोक पालीवाल ने कहा कि हेयर कट, ब्राइडल हेयर स्टाइल, मेन्स प्रर्मिग, दाढ़ी डिजाइन, केटवाक हेयर स्टाइल, मेन्स फैशन कट मॉड्यूल प्रतियोगिता में वर्ल्ड स्किल एक्सपर्ट एंड मेंटॉर सामन्था कोचर, बी.डब्लू.एस.एस.सी चेयरमैन डॉ. ब्लोशम कोचर, सीईओ मोनिका बहेल के नेतृत्व में चार्मी को उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि उदयपुर जैसे छोटे शहर से फिनलैंड (हेलसिंकी) अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय करने की सफलता का समूचा श्रेय चार्मी के शिक्षक आशा हरिहरन, सीमा वी. जयराजानी, उदय टके, मुर्नाल डोंगरे, मिलन भाटिया, अर्थव टके, वाजिद भाई, विपुल चूड़ास्मा, लोरियल इन्डिया, स्वेताशा पालीवाल, पुष्कर सेन एवं प्रदीप वेद को जाता है। गौरतलब है कि साल 2015 में पहली बार प्रभात हेयर एवं ब्यूटी एकेडमी उदयपुर से प्रदीप वेद ने ब्राजील वर्ल्ड स्किल में मेडल ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड भारत के नाम किया था। अब सात साल बाद फिनलैंड में देश के लिए यह सम्मानजनक उपलब्धि हासिल करने के बाद शुक्रवार को चार्मी का उदयपुर पहुंचने पर फताहपुरा क्षेत्र के पुलां स्थित प्रभात हेयर एंड ब्यूटी एकेडमी पर भव्य स्वागत किया गया। इस खास मौके पर चार्मी के माता पिता भरत सेन, कान्ता सेन, सहयोगी स्वेताशा पालीवाल, प्रदीप वेद, सेन क्षोर कलाकार मण्डल अध्यक्ष दिलीप सेन, सचिव हेमन्त सेन, लेकसिटी ब्यूटी क्लब सचिव अनिता गहलोत हेयर एवं ब्यूटी ऑर्गेनाईजेशन अध्यक्ष कनक सिंह, सचिव भारती सेन, रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर पन्ना अध्यक्ष महेश सेन, सचिव हिमांशु टेलर सेन समाज विकास संस्थान अध्यक्ष राजकुमार सेन, सचिव ओमप्रकाश बारबर, सेन नवयुवक अध्यक्ष मनीष सेन एवं सचिव रवि सेन सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

रिपोर्ट एवम फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल : 9829050939

नि:शुल्क हड्डी रोग, जॉइन्ट, लिंगामेंट जांच शिविर 30 अक्टूबर को

कुचामन सिटी। नि:शुल्क हड्डी रोग, जॉइन्ट, लिंगामेंट जांच शिविर महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वाधान श्रीमती गुणमालादेवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से अरिहन्त हेल्थ केयर सेन्टर, राजकीय चिकित्सालय के पास, में नि:शुल्क हड्डी, जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विषेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर, रविवार को प्रातः 10:00 बजे से 1:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। संस्था सचिव रामअवतार गोयल के अनुसार शिविर का शुभारम्भ डी.एस.पी. संजीव कटेवा करेंगे। शिविर संयोजक वीर नरेश झांझरी व वीर सुरेश गंगवाल ने बताया कि शिविर में चिकित्सक के परामर्श पर एक्सरे व खून की जांच नि:शुल्क की जायेगी। वीर अशोक अजमेरा ने बताया किशिविर में मरीज अपनी पुरानी जॉच रिपोर्ट साथ लावे, आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, चिरंजीव योजना कार्ड, CGHS, RGHS से इन सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

दो तरह के लोग व्यर्थ में दुखी, परेशान होते हैं...

एक वो –जो किसी को ना नहीं कर पाते और दूसरे वह जो किसी से ना नहीं सुन पाते : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के वर्तमान काल से उत्कृष्ट साधन में रत 557 दिन की मौन साधना और 496 दिन उपवास ओर 60 दिन आहार करने वाले तपस्वी सम्मेदशिखर जी के पहाड़ पर साधना करने वाले अन्तर्मना परम पूज्य आचार्य श्री ने अपनी मौन साधना में प्रतिदिन अपनी लेखनी से बताया कि दो तरह के लोग व्यर्थ में दुखी, परेशान होते हैं... एक वो -जो किसी को ना नहीं कर पाते और दूसरे वह जो किसी से ना नहीं सुन पाते। जब तक आप यह नहीं जानते कि आप कहना क्या चाहते हैं और सुनना क्या पसंद करते हैं तब तक किसी को हाँ कहना ही दुख ओर परेशानी को निमंत्रण देना है। आजकल लोग बिना कुछ पढ़े साइन कर देते हैं और बिना पूरी बात सुने हाँ कर दे देते हैं। आजकल लोग भी हाँ में हाँ मिलाने वाले को ही पसंद भी करते हैं अन्यथा वो आपको अपना विरोधी मान लेते हैं। सच भी दो प्रकार का हो गया है। एक- मुंह देखा सच दूसरा- भीतर का सच। भीतर का सच तो और भी कुछ होता है। सुखी रहने के लिए आपको अपने भीतर की आवाज को सुनकर ही बात का कार्य को अंजाम देना चाहिए। ध्यान रखें-- भीतर से निकला हुआ सच ,आपकी खुशी का पीछा करने से नहीं जुड़ा है बल्कि आपके आत्मिक आनंद प्रेम से संबंध रखने वाला है जैसे ही आप अपने भीतर के सच को ईमानदारी से हा कहते हैं या सच कहते हैं तो आप मानकर चलिए की आप भीतर से सशक्त और स्वमं के प्रति ईमानदार भी हैं।

कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा,मनीष सेठी

वेद ज्ञान

जीवन में शिक्षा का महत्व

विद्या ग्रहण करना हर काल में महत्वपूर्ण रहा है। आज हम 21वीं शताब्दी में जी रहे हैं, जिसे विज्ञान का युग कहा जाता है। वर्तमान में मनुष्य ने अंतरिक्ष की ऊंचाई और समुद्र की गहराई तक नाप डाली है। वह चांद पर पहुंच गया है। अपनी इन वैज्ञानिक उपलब्धियों पर मनुष्य काफी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। यह सब उपलब्धियां मनुष्य ने शिक्षा के कारण ही हासिल की हैं। इसलिए प्रत्येक मनुष्य के जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व होता है। शिक्षित होकर ही मनुष्य अपना और अपने समाज का विकास करता है। शिक्षित होने की वजह से ही हम मनुष्य इस पृथ्वी के सभी जीवों में सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं। विद्या, विनय देती है। विनय से पात्रता, पात्रता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है। कोई भी व्यक्ति वह चाहे किसी कुल में पैदा क्यों न हुआ हो, लेकिन विद्या सभी के लिए अनिवार्य है। अशिक्षित मनुष्य का जीवन पशु के समान माना गया है। वह सही निर्णय लेने में समर्थ नहीं होता, लेकिन जब वह शिक्षा प्राप्त कर लेता है तो उसके ज्ञानचक्षु खुल जाते हैं। जो माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाते नहीं हैं, वे अपने पुत्र के सबसे बड़े शत्रु हैं। गीता में कहा गया है कि इस संसार में ज्ञान के समान और कुछ पवित्र नहीं है। कहा गया है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यानी अंधकार से मुझे प्रकाश की ओर ले जाओ। यहां प्रकाश का मतलब ज्ञान है। जहां ज्ञान होता है, वहां लक्ष्मीजी भी वास करती हैं। किताबी ज्ञान से ज्यादा मनुष्य को व्यावहारिक ज्ञान होना चाहिए। एक पंडित नाव में सवार हुए। कुछ दूरी की यात्रा करने के बाद उन्होंने नाविक से पूछा कि क्या तुमने वेद पढ़े हैं। नाविक ने जब इसका जवाब नहीं में दिया तो पंडित जी बोले कि तुम्हारा आधा जीवन व्यर्थ चला गया। जब नाव नदी के बीचों-बीच पहुंची तो नाविक ने कहा कि पंडितजी क्या आपको तैरना आता है। जब पंडितजी ने इसका जवाब नहीं में दिया, तो नाव में हो चुके छेद की ओर इशारा करते हुए नाविक ने कहा कि तब आपका पूरा जीवन व्यर्थ हो चुका है। कहने का तात्पर्य यही हुआ कि नाविक को वेदों की जानकारी हो या न हो, इससे उसके जीवन में कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन तैरना नहीं जानने की वजह से पंडितजी अपनी जान नहीं बचा पाए।

संपादकीय

आसान नहीं है सुनक की राह...

ब्रिटेन के पहले भारतवंशी और पिछले 210 वर्षों के सबसे युवा प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री निवास में प्रवेश करने से पहले देश को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें पिछली सरकार की भूलें सुधारने के लिए चुना गया है। आर्थिक स्थिरता और साख बहाल करना उनका मुख्य एजेंडा होगा और वह लोगों का भरोसा जीत कर दिखाएंगे। इस दौरान ऋषि सुनक ने गंभीर मुद्रा बनाए रखी। मानो यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हों कि भले ही वे ब्रिटन की सत्ता संभाल कर वैसा ही इतिहास रचने जा रहे हों जैसा ओबामा ने अमेरिका में रचा था, पर परिस्थितियां जश्न की नहीं, गंभीरता से काम पर जुट जाने की हैं। ऋषि सुनक की इस गंभीर मुद्रा को उनकी वक्त की नब्ज पहचानने की समझबूझ के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है। बकिंघम प्रासाद से प्रधानमंत्री निवास पहुंचते समय उनके पास नियुक्ति पत्र की फाइल के अलावा और कुछ नहीं था। पत्नी, बच्चे, सहायक कोई नहीं, क्योंकि उन्हें इसका आभास है कि उनकी संपन्नता को लेकर राजनीतिक गलियारों और मीडिया में काफी चर्चा है। वह ब्रितानी इतिहास के सबसे अमीर प्रधानमंत्री माने जाते हैं। केंद्रीय लंदन में उनका आलीशान मकान, देहात में एक महलनुमा घर और ठाठ-बाट को पिछले पार्टी नेता चुनाव में मुद्दा भी बनाया गया था। मंदी, महंगाई और तंगी के इस दौर में ब्रिटेन की आर्थिक साख बहाल करने के लिए उन्हें किफायत, बचत और कटौती के कड़े फैसले लेने होंगे और लोगों को उनका कड़वा घूंट पीने के लिए तैयार करना होगा। यह काम विनम्रता और सादगी से पेश आए बिना नहीं हो सकता। ऋषि सुनक के सास-ससुर सुधा और नारायण मूर्ति अमीरी में भी सादगी से रहने के लिए जाने जाते हैं। लोगों का भरोसा जीतने के लिए ऋषि भी अब वही तरीका अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऋषि सुनक की पहली चुनौती आपस में वैचारिक मतभेद रखने वाले पार्टी के धड़ों को एकजुट करना है। इसीलिए जवाबदेह सरकार का वादा करने के बावजूद मंत्रिमंडल में उन्हें पार्टी गुटों को प्रतिनिधित्व देने के लिए कुछ समझौते करने पड़े हैं। वह अपने अनुभव के आधार पर जानते हैं कि दूसरे देशों से आने वाले प्रशिक्षित, पेशेवर लोगों और विशेषज्ञों के आप्रवासन की सीमा बांधना आर्थिक विकास के लिए बाधक है, पर कंजर्वेटिव पार्टी का एक धड़ा आप्रवासन पसंद नहीं करता। लिज ट्रस की समर्थक रहीं गोवा मूल की सुएला ब्रावरमैन के आप्रवासन विरोध के कारण ही भारत और ब्रिटेन का मुक्त व्यापार समझौता टल गया था, फिर भी उन्हें दोबारा गृहमंत्री बनाया गया है। ऋषि सुनक की दूसरी और शायद सबसे बड़ी चुनौती ब्रिटेन की आर्थिक साख को बहाल कर स्थिरता लाना है, ताकि पिछले कुछ हफ्तों के भीतर ही लगभग दोगुना हुई कर्ज के ब्याज की दरें सामान्य हो सकें। लिज ट्रस की कर्ज लेकर टैक्स घटाने की नीतियों की वजह से भी आम आदमी के कर्ज के ब्याज की दरें बढ़ी हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सरकार और राज्यपाल की खींचतान

पंजाब में आम आदमी पार्टी को सत्ता में आए करीब सात महीने हो गए हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि अभी तक सरकार अपने कामकाज की प्रक्रिया में संतुलन नहीं बिठा पाई है। खासतौर पर पिछले कुछ समय से राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच जैसी खींचतान की खबरें आ रही हैं, उससे साफ है कि सत्ता के अलग-अलग स्तंभों के बीच अभी सामंजस्य नहीं हो पाया है। मसलन, गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित पर राज्य सरकार के कामकाज में लगातार हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। यह तल्खी कार्यों में नाहक दखल से आगे इस ओर जाता दिख रहा है कि उन्होंने राज्यपाल के किसी अन्य केंद्र से संचालित होने के बारे में भी सवाल उठा दिया। गौरतलब है कि पहले राज्य विधानसभा का सत्र बुलाने को लेकर राज्यपाल पर अवरोध पैदा करने का आरोप लगा था। उसके बाद बाबा फरीद यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेज और अब पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति निरस्त करने के आदेश को लेकर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के फैसले को कठघरे में खड़ा किया। सवाल यह है कि जिन कार्यों में राज्यपाल को दखल देने या किसी फैसलों को निरस्त की जरूरत पड़ी, क्या वे राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं? वहीं राज्यपाल के आदेश अगर कानूनसम्मत हैं तो राज्य सरकार को इससे क्यों आपत्ति हो रही है! साथ ही राज्य सरकार का कोई फैसले में दखल अगर तकनीकी तौर पर राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में है तो ऐसे निर्णय क्यों लिए जाते हैं जो निरस्त हो जा रहे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री के मुताबिक, कुलपति की नियुक्ति में मुख्यमंत्री और राज्यपाल की कोई भूमिका नहीं होती। इसके लिए उन्होंने अलग-अलग विश्वविद्यालयों में निर्धारित नियम-कायदों का हवाला दिया। अगर यह तथ्य तकनीकी व्यवस्था है तब निश्चित तौर पर राज्यपाल के आदेश को लेकर सवाल उठेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि कुछ विवाद नाहक ही तूल पकड़ लेते हैं, जबकि आपसी बातचीत के जरिए उन्हें सुलझाया जा सकता है। इस मसले पर भगवंत मान ने राज्यपाल के हस्तक्षेप को गलत और असंवैधानिक बताते हुए इसके पीछे किसी अन्य का हाथ होने की आशंका जताई। जाहिर है, राज्यपाल और सरकार के बीच खींचतान अब नए सिरों की ओर बढ़ने लगी है। यह छिपा नहीं है कि दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है, जहां राज्यपाल के साथ अनेक मुद्दों पर टकराव होते रहे हैं। अब पंजाब में भी सरकारी कामकाज में राज्यपाल के दखल को लेकर विवाद सामने आने लगे हैं। सवाल है कि सत्ता के ढांचे में होने के बावजूद दोनों पक्षों को क्या अपने कार्यक्षेत्र और सीमाओं के बारे में स्पष्टता नहीं है? एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में राज्यपाल और मुख्यमंत्री या सरकार के बीच अधिकारों का बंटवारा किया गया है और उसी के मुताबिक दोनों को शासन में अपनी-अपनी भूमिकाएं निभानी होती हैं। लेकिन यह समझना मुश्किल है कि अक्सर ऐसे हालात क्यों पैदा हो रहे हैं जब कोई राज्य सरकार यह आरोप लगाती है कि राज्यपाल शासन के कार्यों में नाहक ही दखल दे रहे हैं। फिर किसी राज्यपाल को सरकार के फैसलों पर सवाल उठाने या उन्हें बदलने का निर्देश देने की नौबत क्यों आती है? या फिर क्या दोनों पक्षों की ओर से ऐसा गैरजरूरी होने पर भी किया जाता है?

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के संकुल स्तरीय 'राष्ट्रीय एकता पर्व' प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 अजमेर में दिनांक 28 अक्टुबर से दो दिवसीय केन्द्रीय विदयालय संगठन संकुल स्तरीय राष्ट्रीय एकता प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। इसमें अजमेर संकुल के 8 केंद्रीय विद्यालयों के 23 अनुरक्षक एवं 212 प्रतिभागी - शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत, समूह गीत, एकल शास्त्रीय एवं लोकनृत्य, समूह नृत्य, एकल अभिनय, स्थानीय खेल-खिलौने निर्माण आदि प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि सांसद भागीरथ चौधरी ने माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ. आर.के मीना ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए बताया कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लौहपुरुष श्री वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन को ''**राष्ट्रीय पर्व**'' के रूप में मनाने की अभिनव शुरूआत की है। प्राचार्य डॉ. आर. के मीना ने आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इनकी महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि भागीरथ चौधरी ने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे देश का नेतृत्व एक ऐसे कर्मठ व्यक्ति के हाथ में हैं जो भारत को दुनिया सिरमौर बनाने के लिए बिना अवकाश अथक लगा हुआ है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि भारत विश्व में सबसे युवा देश है और हमारी प्रतिभा का लौहा सारी दुनिया मानती है। चौधरी जी ने बताया कि भारत की नई शिक्षा नीति आमूलचूल परिवर्तनकारी है। उन्होंने ''वोकल फॉर लोकल'' को बढाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में नसीराबाद के प्राचार्य आरसी मीणा, केंद्रीय विद्यालय बांदरसिंदरी के प्राचार्य विनोद चौधरी, कोलाबा मुंबई के उप-प्राचार्य राजेश बगड़िया, केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 अजमेर के प्राचार्य देवेंद्र कुमार धीरान ने अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतियोगिताओं का प्रारंभ शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता से हुआ। तदंतर लोक संगीत और समूह गान आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका वैशाली वैद्य, नमिता भार्गव एवं आनंद वैद्य द्वारा निभाई गई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन उप प्राचार्य रोमा सांकला द्वारा किया गया।

लायंस क्लब पृथ्वीराज का दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज द्वारा वैशालीनगर स्थित राधा कुंज में दीपावली स्नेह मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम संयोजक लायन आभा गांधी ने बताया कि इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देकर सुखद भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि संभागीय अध्यक्ष लायन कमल शर्मा एवम् क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन अंशु बंसल ने लायन सदस्यों में भ्रात्तव भावना बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन करते रहने का आह्वान किया । लायन संतोष पंचोली ने दीप उत्सव पर रचना पढ़ी । लायन सीमा शर्मा ने मनोरंजक गेम्स खिलाए । विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में केबिनेट मेंबर लायन पारस ललवानी, लायन राजेंद्र गांधी, लायन हनुमान गर्ग, लायन आभा गांधी, क्लब अध्यक्ष लायन गजेंद्र पंचोली, लायन विनय गुप्ता, लायन शशि गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे। अंत में क्लब सचिव लायन सुनील शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भव्य पिच्छिका परिवर्तन एवं वर्षायोग निष्ठापन समारोह रविवार 30 अक्टूबर को

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दि.जैन मुनि संघ सेवा समिति के तत्वावधान मे द्वय मुनिराज मुनि संबुद्धसागर महाराज व मुनि संविज्ञसागर जी महाराज के पिच्छिका परिवर्तन एवं वर्षायोग निष्ठापन समारोह का भव्य आयोजन रविवार 30 अक्टूबर दोपहर 1 बजे से पंचायत छोटा धडा नसियां के विशाल हाल 'आदिनाथ निलय' मे होगा। समिति के प्रवक्ता पदम चन्द सोगानी ने बताया कार्यक्रम की शुरूआत नृत्यमय मंगलाचरण से होगी तत्पश्चात,चित्रानावरण, दीप प्रज्वलन,समाज के उत्कृष्ट सेवाभावी महिला मंडल व पुरुष संगठन द्वारा अष्टद्रव्य से संगीतमय ''भव्य गुरु पूजन'', द्वय मुनिश्री के पाद पक्षालन व शास्त्र भेंट, गुणानुवाद, अतिथि व वर्षायोग पुण्यार्जक सत्कार व सम्मान, मुनिश्री द्वारा पुण्यार्जक परिवारों को वर्षायोग मंगल कलश प्रदान,ड्रा द्वारा रजतमयी वर्षायोग मंगल कलश के सौभाग्यशाली पात्र का चयन, तत्पश्चात मुनि श्री मांगलिक उद्बोधन, पिच्छिका परिवर्तन व समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल द्वारा गुरु चरणों मे कृतज्ञता, विनय व वर्षायोग मे सहयोगी परिवारों का आभार ज्ञापन का भव्य आयोजन होगा।

गोवर्धन पर्व पर अब नहीं होती बछड़ों की छलांग: हीरा चन्द बैद

शाबाश इंडिया

दीपावली के अगले दिन यानी कार्तिक शुक्ल एकम को गोवर्धन पर्व मनाया जाता है जो मुख्यतः तो पशुओं के प्रति मनुष्य के प्रेम को दर्शाने वाला पर्व है।इस दिन गोवर्धन देवता की आकृति बनाकर उसकी पूजा करके गन्ने व मौसम की हरी सब्जियों का भोग लगाया जाता है इस पर्व को अन्नकूट भी कहते हैं। पूजा के बाद व्यक्ति अपने सामर्थ्य अनुसार अनन्कूटा , सब्जी, पूड़ी आदि व्यंजनों का भोग लाकर श्रद्धालुओं को प्रशादि वितरित करते हैं। अब तो भामाशाहों द्वारा निजिस्तर पर या जन सहयोग से बड़े स्तर पर सामूहिक भोज भी बहुत होने लगें हैं। सौश्यलमीडिया के प्रभाव से जहां इस पर्व का प्रचार व प्रभावना में वृद्धि हुई है वहीं आधुनिक चकाचौंध व परिवेश का प्रभाव भी इस पर्व पर दिखाई देने लगा है।बुधवार को शहर में अनेक स्थानों पर वृहद स्तर पर सम्पन्न हुए गोवर्धन पूजा के समाचार प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मिडिया पर प्रमुखता से पढ़ने, देखने व सुनने में आये वहां यह भी देखने में आया कि लोग पूजा के लिए पशुओं को ढूंढ़ते रहे वहीं अनेक स्थानों पर लोग पशुपालकों के चक्कर लगाते रहे। वैसे गोवर्धन के दिन पशुओं के सींग व खुरों को विशेष रंग से रंगने व गले में मालाएं डालने की परम्परा भी लगभग समाप्त होती नजर आ रही है वहीं बछड़े की छलांग लगाने जैसी मुख्य परम्परा भी कहीं दिखाई नहीं दी। दशकों पहले गोवर्धन पर्व का नजारा देखने लायक होता था। गांवों में व शहरों के विभिन्न चोक व सार्वजनिक स्थानों पर गोबर से गोवर्धन देवता की आकृति बनाकर उसके उपर से बछड़ों की छलांग लगाई जाती थी। बदलते परिवेश में बछड़ों की छलांग की परम्परा का भी लोप हो रहा है वहीं कहीं कहीं तो गोबर की बजाय रंगों से ही गोवर्धन देवता का चित्र बनाकर पूजा का रिवाज चलने लगा है।

हीरा चन्द बैद
एस-21, सरदार भवन, मंगल मार्ग,
बापू नगर, जयपुर।
मोबाइल नं. 9828164556

गुस्से का प्रायश्चित करने की बजाय सही साबित करेंगे तो आशीर्वाद कैसे मिलेगा: समकितमुनिजी

गाजर-मूली के त्याग से अधिक महत्व घर पर माता-पिता की सेवा का

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हमें एकन्द्रिय की विराधना तो दुःखी कर जाती है लेकिन पंचेन्द्रिय की विराधना करते समय मन में दया भावना नहीं आती है। आदमी आलू-प्याज खाना छोड़ सकता लेकिन भाई से संपति में हिस्सा लेना नहीं छोड़ सकता है। क्रोध, लोभ, अभिमान आदि भी पाप है लेकिन कभी गुस्सा आने पर प्रायश्चित करने की नहीं सोचते है। हमारा सारा ध्यान एक जगह केन्द्रित होने से हम दूसरी तरह के पाप एक के बाद एक करते जाते है। एक तो पाप करके गुस्सा करते है और दूसरा प्रायश्चित की जगह उसे सही साबित करने का प्रयास करते है तो आशीर्वाद कहां से मिलेगा। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में शुक्रवार को पांच दिवसीय प्रवचनमाला जुग-जुग जियो के दूसरे दिन व्यक्त किए। इस प्रवचन माला के माध्यम से बताया जा रहा है कि किस तरह आशीर्वाद व दुआएं प्राप्त करके जीवन को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। मुनिश्री ने कहा कि एकन्द्रिय में अटके होने से पंचेन्द्रिय तक तो हमारा करूणा भाव पहुंच ही नहीं पाता है। जिनकी कृपा प्राप्त हो रही उनकी हम कद्र नहीं करते है। गाजर-मूली के त्याग से अधिक महत्व घर पर माता-पिता की सेवा का है। मन में मानवता के भाव रखे बिना स्वयं को धार्मिक मानना अपने आप को धोखा देना है। उन्होंने कहा कि यदि हम आपस में प्रेम नहीं रखेंगे तो ये छोटे बड़े त्याग दिखावा मात्र है। घर वालों के लिए क्रूर व बाहर वालों के लिए दयालु का जीवन जीकर आशीर्वाद प्राप्त नहीं हो सकता, ऐसा जीवन बहुत खतरनाक है। परिवार के सदस्यों के प्रति मन में करूणा, दया व अपनापन का भाव रहे। मुनिश्री ने कहा कि हमे एक सूची बनानी चाहिए कि कौनसे पाप मजबूरी में और कौनसे बिना मतलब के हो रहे है। जो बिना मतलब के लगे उन पापों से दूर होते जाए। जैसे-जैसे जीवों को अभयदान देते जाएंगे हमे पुण्य मिलता जाएगा। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायन कुशल जयवंतमुनिजी का भी सानिध्य मिला। अहमदाबाद, बेंगलूरू, सूरत आदि स्थानों से आए अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ एवं चातुर्मास संयोजक नवरतनमल बम्ब ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

गलतियों की गली बंदकर सही मार्ग पर आ जाएं

धर्मसभा में पूज्य समकितमुनिजी म.सा. ने कहा कि प्रतिक्रमण का मतलब गलती बंद कर देना यानि रफू कर देना। अभी सारा सिस्टम ही विपरीत हो रहा ओर गलती पर गलती करते जा रहे है। आराधना के मार्ग पर साधक के आगे बढ़ते हुए गलतियों के छेद हो जाए तो गलती की गली बंद करने के लिए प्रतिक्रमण रूपी रफू कर देना अन्यथा साधना खतरे में पड़ जाएगी। एक कदम आगे बढ़ाने के बाद पीछे लौटना मुश्किल हो जाता है। प्रतिक्रमण करने के लिए भी आज्ञा लेनी चाहिए। प्रतिक्रमण के छोटे भाग यानि इच्छाकारणं की आराधना करके भी साधक मुक्ति प्राप्त कर सकता है।

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के 53वें अवतरण दिवस पर पदमपुरा में होंगे तीन दिवसीय आयोजन

रविवार, 30 अक्टूबर को होगा मुख्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रशान्तमूर्ति आचार्य शांतिसागर महाराज छाणी परम्परा के पंचम पट्टाधीश, परम पूज्य सिंहरथ प्रवर्तक,त्रिलोकतीर्थ प्रणेता आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर महाराज एवं षष्ट पट्टाधीश सराकोद्धारक आचार्य ज्ञानसागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या भारत गौरव, स्वस्तिधाम प्रणेता परम विदूषी लेखिका युग प्रवर्तिका गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी का 53 वां अवतरण दिवस (जन्म जयंती) समारोह तीन दिवसीय आयोजन के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा प्रबंधकारिणी कमेटी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी चातुर्मास व्यवस्था समिति के तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय आयोजन में जयपुर सहित पूरे देश से जैन धर्मावलंबी बड़ी संख्या में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाड़ा पहुंचेंगे। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि रविवार,30 अक्टूबर को प्रातः 8.30 बजे से शुभकामना परिवार का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा। चातुर्मास कमेटी के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इसी दिन दोपहर 12.15 बजे से झांझरी सभागार में माताजी का 53 वां अवतरण दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर चातुर्मास निष्ठापन समारोह तथा पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। समारोह के अन्तर्गत स्वस्ति मंगल कलश का लक्की ड्रा निकाला जाएगा। आयोजन में चित्र अनावरण,दीप प्रज्जवलन के बाद 53 परिवारों द्वारा माताजी का पाद पक्षालन तथा 53 परिवारों द्वारा शास्त्र भेंट किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम,गुणानुवाद के बाद माताजी के मंगल प्रवचन होंगे।

यदि मुस्कुराना चाहो तो मुस्कुराने के बहाने भी बहुत हैं : आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में चारों तरफ हरीतिमा और उस हरीतिमा के बीच भट्टरकजी की नसिया में विराजे भगवान ऋषभदेव और यहीं आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित चातुर्मास में समवशरण सिंहासन पर विराजमान होकर श्रावकों को उपदेश देकर बहुत ही उज्जवल साधना कर रहे हैं है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी श्रावको ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवों के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे बांसवाड़ा , एवं कमलेश तलवाडिया परिवार जयकुमार तलाठी गजेंद्र दोषी कुशलगढ़ व नरवाली, गीगला से आए सभी श्रावकों ने एवं अन्य बाहर से पधारे श्रावको ने आचार्य भगवंत की पूजा कर अर्घ्य अर्पण करते हुए चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण प्रिया जैन तलवाडिया और अनीता जैन मुंगाना ने किया व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि बांसवाड़ा नरवाली जिला कुशलगढ़ से पधारे श्रावको ने गुरुवर से निवेदन करते हुये आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण कर भक्ति भाव से श्रद्धा सुमन अर्पित किये। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य श्री के चरण पखारे दुर्ग के धूपचंद अनिल कुमार छाबड़ा परिवार ने। पूज्य गुरुवर जी को जिनवाणी शास्त्र भैंट किया गया। राम कथा को सुनना और श्रवण करना मन को आनंद देता है उसी तरह से समयसार की गाथाओ को आचार्य भगवंत के श्री मुख से सुनकर संपूर्ण समाज के लोग आनंद मगन हो गए।

पूज्य आचार्य भगवन उपदिष्ट हुए...

गिले शिकवे भी बहुत हैं
अफसाने भी बहुत हैं
यदि मुस्कुरा ना चाहो तो
मुस्कुराने के बहाने भी बहुत हैं।

कुछ लोग देव शास्त्र गुरु से भी शिकायत रखते हैं। शिकायत रखोगे तो जीवन सफल नहीं होगा। पशु पक्षी कभी भी मुस्कुरा नहीं सकते पर आप तो मुस्कुरा भी सकते हो ,क्लेश और विषाद में मन भ्रमित रहता है। मन को संयम में रखोः जीव अमूर्तिक होता है, पर हमारी हालत यह है हमने जीव पुद्गल दोनों को मिलाकर के एक मान रखा है। एक शरीर का रंग है, वह आत्मा का रंग है क्या? लेकिन आप देख लो लोग इसी तरह से अपनी पहचान करेंगे। यह शरीर की रचना नो कर्म की रचना है जो नो कर्म सयुंक्त जीव है और लोक के जो पुद्गल हैं यह शक्तीय कहलाते हैं। कभी भी ऐसा मत कहो मैं टूट गया परिस्थिति हो सकती है। हिम्मत रखो पर यह मत कहो मैं टूट गया।

श्री पार्श्वनाथ भगवान की भव्य संगीतमय रथयात्रा महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब

आकर्षक प्रस्तुतियों ने मन मोहा लिया

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। पिड़ावा राजस्थान प्रांत की वीर प्रस्वनी धरा पर सुदूर दक्षिण पूर्व में स्थित मालवा अंचल से जुड़ी झालावाड़ जिले की धर्ममय नगरी पिड़ावा में शताब्दियों से चली आ रही परंपरा अनुसार सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वधान में इस वर्ष भी देवाधिदेव श्री पार्श्वनाथ भगवान की भव्य रथ यात्रा 108 श्री भूतबलि सागर, मुनि सागर महाराज, मोन सागर महाराज, मुक्ति सागर महाराज के पावन सानिध्य में बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। भव्य संगीतमय रथयात्रा महोत्सव का आयोजन बड़े हर्षोल्लास व धूम धाम से किया गया। रथयात्रा महोत्सव में जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु पार्श्वनाथ भगवान की भव्य यात्रा महोत्सव में शामिल हुए। बुधवार प्रातः 11 बजे श्रीजी की भव्य रथ यात्रा श्रद्धालुओं के द्वारा हाथो से खीच कर पांडु शीला ब्रह्मानंद नसिया जी के लिए प्रारंभ हुई। रथयात्रा सेठान मोहल्ला, खंडपूरा वीडियो चौराहा, नयापुरा, मेला मैदान होते हुए सूरजकुंड पहुची। इसके बाद श्री पारसनाथ भगवान का अभिषेक किया गया। जिसके बाद शाम को नयापुरा में आरती, भक्ति तत्पश्चात रात्रि 8 बजे भक्तिमय नाटिका

प्रस्तुत की गई।

गुरु ब्रम्हानन्द सागर जी की पहल पर श्रावकों द्वारा खिंचा जाने लगा रथ

धर्ममय नगरी पिड़ावा में रथयात्रा लगभग 150 साल से भी अधिक समय से निकल जा रही है। लगभग 20 साल पूर्व पहले रथ को बेलों के द्वारा खींचा जाता था, लेकिन जब पहली बार ब्रह्मानंद सागर जी महाराज के चतुर्मास के दौरान उन्होंने बैलो से रथ को खिंचवाना जीवों को सताने वाला कार्य बताते हुए समाज के लोगों को संकल्प दिलाया की रथ को श्रावको द्वारा हाथों से खींचा जाए। तभी से समाज के लोगों ने परंपरा को कायम रखा और आज भी रथ को श्रद्धालुओं द्वारा हाथों से खींचा जाता है। समाज के बुजुर्ग बताते हैं कि वर्ष में एक बार सावन के 4 माह बाद अगहन मास में व संतों के चतुर्मास के बाद भगवान का नगर भ्रमण कराते हैं और भगवान को पूरे नगर में घुमाया जाता है। नगर भ्रमण के बाद सूरजकुंड पर भगवान की पूजन व कलश किये जाते हैं। भव्य भक्तिमय रथयात्रा महोत्सव में मध्य प्रदेश के बडनगर का सुप्रसिद्ध भारत बैंड के संगीतमय भजनों की प्रस्तुति पर युवक युवतियां झूमते रहे। साथ ही रंगोली आर्टिस्ट ने पूरे रथयात्रा मार्ग पर आकर्षक व मनमोहक रंगोलीया बनाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

यहां से आये श्रद्धालु

भव्य रथयात्रा महोत्सव में राजस्थान, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों से कई लोगों ने रथ यात्रा में सम्मिलित होकर का आनंद लिया। रथ यात्रा में कोटा, इंदौर, उज्जैन, झालावाड़, झालरापाटन, बारां, श्यामपुरा, सोयत, सुसनेर, अमरकोट, नलखेड़ा, उज्जैन, इंदौर, आगर, कारोडिया, सुनेल, भवानी मंडी, रटलाई, ताखला, मोड़ी, धतुरिया, चौमहला, सेमलखेड़ी, पगारिया कोटड़ी, खरपाकलां, पिपलोन, खानपुर, आदि क्षेत्रों के सैकड़ों लोग शामिल हुये। सकल दिगंबर जैन समाज के नवनियुक्त अध्यक्ष अनील चेलावत का जगह जगह स्वागत किया गया। जैन समाज अध्यक्ष अनील चेलावत का सनातन हिन्दू समाज अध्यक्ष बापूलाल विश्वकर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रामेश्वर पाटीदार, पालिका उपाध्यक्ष राजू माली, राकेश मीणा, पीरू माली आदि ने स्वागत किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन समाज में खुशी की लहर

सिद्धचक्र महामण्डल अनुष्ठान मे हुकमचन्द जैन बने महानायक सोधर्म इन्द्र

मालपुरा. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य श्री इन्द्रनन्दी महाराज के सानिध्य में 1 नवम्बर से 8 नवम्बर 2022 तक डिग्गी मे आयोजित होने वाले अष्टान्हिका पर्व मे सिद्ध चक्र महामण्डल विधान के मुख्य पात्र मुख्य भूमिका निभाने वाले नायक हुकमचन्द जैन एवं प्रेमदेवी जैन प्रेस वाले को महामण्डल विधान मे सोधर्म इन्द्र एवं इन्द्राणी बने। जैन समाज के प्रवक्ता विमल कठमाणा ने बताया कि आचार्य श्री इन्द्रनन्दी महाराज के मंगल आशीर्वाद से विधान मे समाजसेवी अग्रवाल समाज चौरासी अध्यक्ष हुकमचन्द जैन को मुख्य प्रधान एवं महानायक सोधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य मिला। मीडिया प्रभारी विमल कठमाणा ने बताया कि हुकमचन्द जैन के सोधर्म इन्द्र बनने पर सकल दिगम्बर जैन समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। उल्लेखनीय हैं कि जैन धर्म में सबसे बड़ा एवं पर्वो मे पर्व महापर्व अष्टान्हिका पर्व का बड़ा ही महत्व है। इस महापर्व मे श्रद्धालु सिद्ध चक्र महामण्डल के अनुष्ठान की महाअर्चना करके पुण्यार्जन करते हैं।